MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 77 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी शुक्रवार 24 नवंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

एरिया की कमी से बाघ आ रहे आबादी की ओर

मनुष्य और पालतू जानवरों को बना रहे अपना शिकार, विभाग की बढ़ रही मुश्किले

सिवनी यशो:- सिवनी जिले में बाघ आबादी एरिया में आकर वनों के समीप के ग्रामीणो को अपना शिकार बना रहे है । पिछले कुछ माहों में बाघों ने अनेक घटनाओं को अंजाम दिया है । बाघों द्वारा मनुष्यों एवं पालतू जानवारों को शिकार बनाये जाने से क्षेत्र में आक्रोश की स्थिती भी है । वन्य ग्रामों के समीप के निवासियों के साथ इस प्रकार की घटनाएँ होने से पेंच नेशनल पार्क प्रबंधन सहित वन विभाग का अमला मुश्किलों में पड़ता है और बाघो को पकड़ने के लिये रेस् यु करना पड़ रहा है ।

वनों से बाघो का आबादी वाले एरिया में पहुँचने का जो कारण चर्चाओं में है । उसके अनुसार पेंच नेशनल पार्क एरिया में बाघों की सं या में पिछले कुछ वर्षो में अच्छा इजाफा हुआ है । पिछले कुछ वर्षो में जो नये बाघ पैद हुये है वे जवान हो गये है और पुराने बाघ बुढ़े हो चुके है । नये बाघ पार्क में अपना ऐरिया बना रहे है और बुड्ढे बाघों को खदेड़ रहे है । यही खदेड़े हुये बाघ आबादी की ओर आ जाते है और पालतू जानवारों तथा मनुष्यों को अपना शिकार बना रहे है ।

वन्यप्राणी विशेषज्ञ भी यह बात मानते है कि एक बाघ को स्वतंत्र रूप से विचरण करने के लिए कम से कम 100 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल चाहिए, जो कि मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र दोनों ही राज्यों में उन्हें नहीं मिल रहा है। जिसकी वजह से ये भोजन के लिए कोर एरिया से आबादी तक पहुंच रहे हैं । जहाँ यह बाघ पालतू जानवरों एवं मनुष्यों को अपना शिकार बना लेते है तथा ऐसे बाघों का शिकार भी शिकारी करते है साथ ही ये अपने भ्रमण क्षेत्र से आबादी तक पहुंचने के लिए एक-दूसरे के भ्रमण क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं, जहां इनके बीच आपसी संघर्ष की स्थिति पैदा हो रही है।

मप्र में जिस हिसाब से बाघों की आबादी है, उससे वन विभाग के प्रयासों के बावजूद भी आपसी संघर्ष को रोक पाना संभव नही हो पा रहा है । वन विभाग के सार्थक प्रयासों का परिणाम है कि पिछले वर्षो की तुलना में कम मौतें हो रही हैं। कुछ मौतें करंट लगने और दुर्घटनाओं के कारण हुई है। वाइल्ड लाइफ मध्यप्रदेश के एपीसीसीएफ का कहना है कि मप्र का यह आंकड़ा इसलिए भी अधिक लगता है,` योंकि हम प्रत्येक मौतों को रिकार्ड में ले रहे हैं।

बाघों की सुरक्षा प्रति विभाग सतर्क, बाघों की मौत कम हुई

जानकारी के अनुसार टाइगर स्टेट मप्र में बाघों की मौत अधिक होते रही है परंतु पिछले 10 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ है, जब पड़ोसी प्रदेश महाराष्ट्र में बाघों की मौत की सं या अधिक रही है और मध्यप्रदेश की कम । मध्यप्रदेश में 785 बाघों में 37 यानी 4.71 फीसदी बाघों ने दम तोड़ा है। जबकि महाराष्ट्र में कुल बाघों की सं या 444 में 37 यानी 8.33 बाघों की मौत हुई है। जो 2022 में हुई कुल 23 मौतों से 14 अधिक है। मौतों का मु य कारण अंतरराज्यीय गिरोह है, जो महाराष्ट्र में आधा दर्जन से अधिक बाघों का शिकार कर चुका है। कुछ दिनों पहले ही इस गैंग का मास्टर माइंड कल्ला बावरिया सागर के पास से पकड़ाया है।

हालांकि मप्र में भी अब तक 37 बाघों की मौत हो चुकी है जो कि बीते वर्ष 2022 में हुई कुल मौत 34 से तीन अधिक है, लेकिन बीते कुछ वर्षों की तुलना में यह आंकड़ा कम है। दोनों राज्यों में इन मौतों की मु य वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष और शिकार समेत अन्य कारण हैं। महाराष्ट्र में अधिक मौतों की वजह बावरिया गैंग का सक्रिय होना है तो मप्र में बाघों की मौत में बीते वर्षों की तुलना में कमी की वजह विभाग द्वारा निगरानी बढ़ाना है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार मौत के ये आंकड़े 20 नवंबर 2023 तक के हैं।

महाराष्ट्र का ट्रेंड बता रहा है कि वहां शिकार की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। शिकारियों के असर से मप्र भी अछूता नहीं रह सकता। उल्लेखनीय है कि बाघ आंकलन रिपोर्ट 2022 के अनुसार मप्र के पास 785 है, जो किसी भी प्रदेश की तुलना में सर्वाधिक है। यही स्थिति बाघ आकलन रिपोर्ट 2018 में भी थी, तब 526 बाघ थे। मप्र के पास टाइगर स्टेट का दर्जा बरकरार है लेकिन इन रिकार्डो के अलावा बाघों की मौत के मामले में भी मप्र आगे है। 2022 में 35 व वर्ष 2021 में 41 मौतें हुई थी। मौतों की मु य वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष और शिकार है ।

वन विभान ने गलत बाघ को ट्रैंकुलाइज किया, विभाग से मांगा गया स्पष्टीकरण

सिवनी यशो: मध्य प्रदेश के सिवनी में गलत बाघ को बेहोश कर पकड़ने की शिकायत के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश वन विभाग से रिपोर्ट मांगी है। गलत बाघ को बेहोश कर उसे पकड़कर नरभक्षी बाघ के रूप प्रस्तुत किया गया । इस बात की शिकायत पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने मध्यप्रदेश वन विभाग से स्पष्टीकरण मांग है ।

दरअसल शिकायत में कहा गया है कि मध्यप्रदेश वन विभाग की टीम पिछले डेढ़ महीने में 6 लोगों की जान लेने वाले एक बाघ को पकड़ने के लिए गई थी। टीम ने बाघ को पकड़ने के लिये काफी मेहनत की और एक बाघ बेहोश कर दिया और उसे लंबी चले रेस्- यु के पश्चात पकड़ लिया गया परंतु उसी क्षेत्र में तीन घंटे बाद ही एक अन्य महिला को बाघ ने मार डाला था।

वन विभाग की इस जल्दबाजी और बाघ के द्वारा विभाग की कार्यवाही की पोल खोल देने से मामला तूल पकड़ रहा है ।

शिकायत कर्त्ता ने अपनी शिकायत में बाघ के हमले से मनुष्य की मृत्यु हुई और इस मामले को विभाग बहुत गंभीरता से नहीं ले रहा है केवल कार्यवाही के नाम पर मनमानी कर रहा है सही तथ्यों की जानकारी के बिना जनमानस को तथा विभाग को गुमराह कर रहा है और जिसका परिणाम है कि उसके द्वारा गलत बाघ को बेहोश किया गया और उसे नरभक्षी बाघ दर्शा दिया जिसके कारण एक अन्य महिला भी शिकार हो गयी । शिकायतकर्त्ता बाघ के इस प्रकार मानव पर हमले और मानव की मृत्यु होने को हत्या की सं या देते हुये इसकी जि मेदारी सुनिश्चित करने की मांग कर रहा है ।

बालरंग कार्यक्रम अंतर्गत योग प्रतियोगिता संपन्न

सिवनी यशो:-शिक्षा विभाग के बालरंग कार्यक्रम 2023 अंतर्गत जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता जिला शिक्षाधिकारी सिवनी श्री एस एस कुमरे के निर्देशानुसार श्री जी पी साकुरे प्राचार्य तिलक हाई स्कूल के संरक्षण एवं जिला योग प्रभारी सिवनी श्री भवानी सिंह गहलोद के मार्गदर्शन में दिनांक 22 नव बर 2023 को संपन्न हुई। प्रतियोगिता में सिवनी, बरघाट एवं केवलारी विकासखण्ड के 4-4 प्रतिभागी शामिल हुए। जिनमें से राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए वरिष्ठ वर्ग बालक से लक्की सोनी हाई स्कूल जेवनारा बरघाट, कनिष्ठ वर्ग बालक से इशांत अवस्थी शासकीय तिलक हाई स्कूल सिवनी, वरि?ठ वर्ग बालिका से दीपशिखा चौहान शासकीय हाई स्कूल कांचना बरघाट तथा कु. श्रद्धा जंघेला बालिका कनिष्ठ वर्ग से चयनित हुई।

मतगणना स्थल पर अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश निषेध

सिवनी यशो:- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार आगामी 03.12.2023 को होने वाली मतगणना के लिए कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री क्षितिज सिंघल ने आदेश जारी कर शासकीय पॉलीटेँ नक कॉलेज सिवनी में विधानसभा क्षेत्र 114-बरघाट, 115-सिवनी,116-केवलारी, 117-लखनादौन की होने वाली मतगणना में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रांगण में प्रवेश निषेध कर दिया है।

आदेशानुसार उ मीदवारों/ गणना अभिकर्ताओं और गणना के अधिकारियों/कर्मचारियों की पहचान की जायेगी। निर्वाचन आयोग जिला निर्वाचन अधिकारी/रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी फोटो आई कार्ड के बिना कोई व्यक्ति प्राथमिक सुरक्षा घेरा के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। उक्त संबंध में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु श्री महेन्द्र पटेल, डिप्टी कले टर सिवनी को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

मतगणना तैयारियों की कले टर ने की समीक्षा

सिवनी यशो:- कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी क्षितिज सिंघल ने बुधवार को वीडियो कॉफ्रेसिंग के माध्यम से सभी रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के साथ मतगणना से जुडे अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

कले टर श्री सिंघल ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को आयोग के दिशा निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ ईवीएम एवं डाक मत पत्र गणना के संबंध में दिशा निर्देश दिये।

कले टर श्री सिंघल ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित किया विधानसभावार मतगणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक एवं माईक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति करते हुए सभी के प्रशिक्षण पूर्ण किये गये।

इसी तरह उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मतगणना कक्ष की संपूर्ण व्यवस्थाऐं पूर्ण करने तथा निर्धारित स्थलों, प्रवेश स्थल बैरिकेटिग करने के निर्देश दिये। इसके साथ-साथ क युनिकेशन, मीडिया सेंटर सहित अन्य स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर भी कले टर श्री सिंघल द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं।

जबरन नॉलेज

देवउठनी एकादशी का श्रद्धा भक्तिभाव से किया गया पूजन

सिवनी यशो:- कार्तिक शु ल एकादशी बृहस्पतिवार को सनातनी परिवारों ने श्रद्धा भक्ति के साथ मनायी कार्तिक की इस एकादशी को इसे देवउठनी एकादशी भी कहते हैं। मान्यता है कि क्षीर सागर में सोए भगवान विष्णु एकादशी को नींद से जागते हैं। इसी के बाद मांगलिक कामों की शुरुआत होती है। 23 नवंबर को एकादशी से शुभ काम प्रारंभ हो जाते है । इस एकादशी पर सनातनी उन सभी वस्तुओं की खरीदी करता है जो देवसोनी एकादशी से निषेध हो जाते है ।

कार्तिक शु ल एकादशी को तुलसी विवाह किया जाता है जिसमें गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी माता एवं शालिग्राम का विवाह करने के साथ माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है । एकादशी की तैयारी के लिये आंगनों में बहुत सुंदर सजावट की जाती है रंगोली डाली जाती है । पूजा में चने की भाजी, सिंघाड़ा, बेर, मूली, लड़डू, भटे, एवं अनेक प्रकार की सब्जियाँ और फी अर्पित किये जाते है । जिसके पीछे मान्यता यह है कि इन सभी का सेवन आज के दिन से प्रारंभ किया जाता है जो देवसोनी एकादशी तक चलता है । दो दिन पूर्व से गन्ना सहित अन्य एकादशी के पूजन से संबंधित वस्तुएँ बड़ी मात्रा में उपलब्ध थी जो सनातनी दिन भर खरीदते हुये दिखे । रात्रि के समय धूमधाम से पूजन किया गया है और फटाखे फोड़े गये ।

वैदिक ज्योतिष परिषद के अनुसार एकादशी का मुहूर्त है- प्रातः 6.50 से 8.00 बजे तक और शाम को शाम 5.25 से 8.46 बजे तक है। भगवान को गन्ना, सिंघाड़ा, लड्डू, फल अर्पित किया जाता है, गन्ने का मंडप बनाकर शालिग्राम व तुलसी जी को उसके नीचे रखा जाता है। देवउठनी एकादशी पर मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी ।

देवउठनी एकादशी के बाद से ही लगभग सभी प्रकार के शुभ कार्य शुरू हो जाते है जिनमे मु यरूप से गृहप्रवेश, शादी जैसे मंगलकार्य शामिल है. देवउठनी एकादशी के दिन माता तुलसी की पूजा मात्र से धनधान्य की प्राप्ति होती है.

कार्तिक मास के शु ल पक्ष की इस एकादशी को देवउठान एकादशी, देवउठनी एकादशी और देव प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान शालिग्राम और माता तुलसी की पूजा की जाती है. दूसरे दिन तुलसी और शालिग्राम भगवान का विवाह संपन्न कराया जाता है. इस दिन कई लोग व्रत रखते हैं. कुछ लोग तो निर्जला उपवास भी करते हैं.

भीमगढ़ मे एक नवजात का शव मिला: पुलिस जाँच में जुटी

सिवनी यशो:- सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र अंतर्गत भीमगढ़ चौकी के भीमगढ़ कॉलोनी ग्राम में एक नवजात शिशु का शव मिला है। भीमगढ़ कॉलोनी में पोस्ट ऑफिस मोहल्ला क्षेत्र में कुछ लोगों ने लगभग 7 माह के नवजात शिशु के शव को पड़ा हुआ देखा। इसकी सूचना छपारा पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची।

पुलिस ने नवजात के शव का पंचनामा बनाया है। पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा लाया गया। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। नवजात शिशु के संबंध में जानकारियां जुटा जा रही है। भीमगढ़ चौकी प्रभारी रविन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि शव पोस्ट ऑफिस मोहल्ला के समीप कुएं के पास मिला है। कुछ बच्चे खेल रहे थे, उन्होंने शव को देखकर इसकी जानकारी परिजनों की दी। ऐसा अनुमान है कि किसी महिला ने गर्भपात करा कर नवजात को फेंक दिया है। गांव में पूछताछ की जा रही है।

प्राथमिक शिक्षक एवं सहायक शिक्षक निलंबित

सिवनी यशो:- सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक श्री संतोष कुमार बिसेन, प्राथमिक शाला कोटकसा विकासखण्ड कुरई एवं सहायक शिक्षक श्री प्रकाश चंद्र राय प्राथमिक शाला चिखली को अजाक थाना सिवनी में अपराध पंजीबद्ध होने से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। श्री बिसेन का मु यालय विकासखण्ड अधिकारी छपारा एवं श्री राय का मु यालय विकासखण्ड अधिकारी घंसौर नियत किया गया है। संबंधितों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

विद्यालय में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

सिवनी यशो:- माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं राजेश कुमार गुप्ता अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के कुशल मार्गदर्शन में श्री विकास शर्मा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी की उपस्थिति में आज दिनांक 21.11.2023 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठ मंदिर सिवनी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक साक्षरता शिविर में श्री विकास शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी ने बच्चों को संविधान के मूल अधिकार व मूल कर्तव्य विषय पर एवं नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाऐं) योजना, 2015 की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। शिविर में श्री केशव कुमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी उपस्थित रहे।

नगर मसीह समाज ने कब्रिस्तान के लिये भूमि की मांग की

छपारा यशो:- नगर पर कब्रिस्तान के लिए भूमि की मांग विगत कई वर्षो से नगर के मुस्लिम एवं मसीह समुदाय की ओर से मांग की जा रही थी जिसे लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौपा गया था जिस पर प्रकरण का अवलोकन उपरांत तथा जिला नजूल निर्वतन समिति सिवनी की स्वीकृति एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी द्वारा की गई जांच एवं अनुशंसा से सहमत होते हुए ग्राम डूंगरिया छपारा प.ह.नं.42 राजस्व निरीक्षक मंडल छपारा तहसील छपारा जिला सिवनी स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 973/1 रकबा 3.53 हे टर भूमि में से 1.00 हे टर भूमि मुस्लिम समुदाय के कब्रस्तान हेतु आवंटित कर दी गई है जिसे लेकर मसीही समाज की ओर से अपना पक्ष रखते हुए कहा गया है कि मुस्लिम समाज कोआवंटित भूमि से मसीही समाज को कोई आपत्ति नहीं है` योंकि उनकी भी पुरानी और वास्तविक समस्या थी लेकिन शासन द्वारा अल्पसं यक मसीही समाज की उपेक्षा करते हुए पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की गई है जबकि कई वर्षो से नगर के मसीही समाज के द्वारा भी कब्रिस्तान भूमि हेतु लगातार ज्ञापन सौंप मांग की जाती रही है।

ज्ञात हो कि नगर के मुस्लिम एवं मसीही समाज विगत कई वर्षो से कब्रिस्तान की भूमि के लिए प्रशासन से मांग कर रहे थे ` योंकि नगर के पूर्व के वर्षो में जहां कब्रिस्तान हुआ करते थे वहां पर वर्तमान वर्षो में बैंनगंगा नदी का जल भराव होने पर अधिकांश भूमि पानी में डूबा रहता है।

छपारा में धूमधाम से मनाई गई संत नामदेव जन्मोत्सव

सामाजिकजनों ने सुबह से पूजन पाठ के साथ उत्साह से मनाया जन्मोत्सव

छपारा यशो:- नगर में संत शिरोमणी नामदेव जन्मोत्सव नामदेव समाज के सामाजिक बंधुओं के द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी पर नगर के अब्दुल कलाम वार्ड अंतर्गत बैनगंगा नदी तट के प्राचीन शिवमंदिर और सिद्ध बाबा घाट में संत नामदेव महाराज का 753 वा जन्म उत्सव मनाया गया। वही नदी तट स्थित सामुदायिक भवन में अन्य कार्यक्रम संपन्न किए गए।

गुरुवार 23 नवंबर को सामाजिक बंधुओं ने एक-दूसरे को संत नामदेव जन्म उत्सव पर शुभकामनाएं दी वही छपारा नगर नामदेव समाज के अध्यक्ष राजेश नामदेव ने जानकारी देते हुये बताया कि सुबह 11 से पूजन अर्चन का क्रम चालू हुआ जो दोपहर 3 बजे तक चला, वही हवन के बाद प्रसाद का वितरण किया गया साथ ही नगर के वरिष्ठ सामाजिक बंधुओं का युवा टीम द्वारा स मान किया गया जिसके तहत प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया,साथ ही नामदेव महाराज की जीवनी की पुस्तक प्रत्येक नामदेव परिवार को दी गई। इसके अलावा उनके द्वारा जानकारी दी गई की देवउठनी ग्यारस के मौके पर अपने-अपने घरों में पूजन पाठ की तैयारी की वजह से गुरुवार के दिन संभव नही होने के कारण शुक्रवार को सभी सामाजिक बंधुओं का भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नागरिक हरगोविंद नामदेव, मनोज नामदेव,नंदकिशोर नामदेव,जित्तन नामदेव,विजय नामदेव, प्रकाश नामदेव, सुनील नामदेव, शैलेष नामदेव,सुरेश नामदेव,दीपक नामदेव,ब्रजेश नामदेव आदि सहित बड़ी सं या में नामदेव समाज की लोग उपस्थित रहे,वही इस आयोजन को सफल बनाने में नामदेव समाज की युवा टीम का विशेष योगदान रहा।

दीपावली त्यौहार ने दी है भारत को आर्थिक ताकत

प्रहलाद सबनानी

इस वर्ष दीपावली त्यौहार के धनतेरस के दिन भारतीयों ने विभिन्न उत्पादों की जमकर खरीद की है। भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अब बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी कारण से वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर वित्तीय वर्ष 2023-24 के वृद्धिगत सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी 15 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। भारत ने अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

भारत में आज आम आदमी की आमदमी बढ़ रही है, आम आदमी की तरक्की जारी हैं एवं इसे और अधिक बेहतर बनाने के प्रयास लगातार हो रहे हैं। इसी के चलते भारतीय बाजारों में दीपावली के पावन पर्व पर भारी भीड़ एवं रौनक दिखाई दे रही है। भगवान धन्वन्तरि भारतीय नागरिकों पर जैसे धन की वर्षा करते नजर आ रहे हैं। भारत में धनतेरस के दिन किसी भी प्रकार के उत्पाद की खरीददारी को शुभ माना जाता है। विशेष रूप से बर्तन, गहने, वाहन एवं मकान आदि भारी मात्रा में खरीदे जाते हैं। इस वर्ष भारतीय बाजारों में एक और शुभ संकेत दिखाई दे रहा है कि भारतीय नागरिक ÷वोकल फोर लोकल÷ एवं ÷आत्म निर्भर भारत÷ जैसे विचार से सहमत होते हुए केवल भारत में निर्मित वस्तुओं की जमकर खरीद कर रहे हैं। रीयल एस्टेट से टर, कार डीलर्स, जौहरियों एवं किराना व्यवसायीयों की तो जैसे लॉटरी ही लग गई है।

इस वर्ष दीपावली त्यौहार में बाजारों में उमड़ रही भीड़ अपने आप में भारत की आर्थिक शक्ति बनने की कहानी कह रही है। भारतीय ग्राहकों में उत्साह दिख रहा है। ग्राहकों का उत्साह देखकर कारोबारी एवं व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं। कन्फेडरेशन आफ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज एसोसीएशन के अनुसार, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में देश में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। इस खरीद की विशेष बात यह रही है कि उपभोक्ताओं में चीन में निर्मित माल के स्थान पर भारत में ही निर्मित स्वदेशी सामान की जबरदस्त मांग देखने को मिली है। जबकि षठ पूजा एवं भैया दूज समेत अभी कई त्यौहार आना शेष है, इस प्रकार आगे आने वाले अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यापार होने की स भावना भी व्यक्त की गई है।

उक्त संस्थान ने ÷भारतीय उत्पाद - सबका उस्ताद÷ नामक एक कै पेन भी भारत में, हाल ही में प्रार भ हुए त्यौहारी मौसम के दौरान, चलाया था, जिसका भारतीय नागरिकों पर जबरदस्त प्रभाव दिखाई दिया है। साथ ही इस वर्ष के त्यौहारी मौसम में चीन को लगभग एक लाख करोड़ रुपए के व्यापार का नु सान हुआ है। ` योंकि, इसके पहिले चीन में बनी वस्तुओं की भारतीय बाजारों में 70 प्रतिशत तक बिक्री होती थी परंतु इस वर्ष भारतीय बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की मांग इतनी अधिक थी कि चीन में निर्मित वस्तुओं की बिक्री बहुत ही कम हो गई है।

इस वर्ष भारत में दीपावली से स बंधित सामान का चीन से आयात नहीं के बराबर हुआ है। एक अनुमान के अनुसार, इस 3.50 लाख करोड़ रुपए के व्यापार में 13 प्रतिशत खाद्य सामग्री एवं किराना की, 9 प्रतिशत ज्वेलरी की, 12 प्रतिशत टे स्टायल एवं गारमेंट की, 4 प्रतिशत ड्राई .रूट, मिठाई एवं नमकीन की, 3 प्रतिशत होम डेकोर की, 6 प्रतिशत कास्मेटि स की, 8 प्रतिशत इले ट्रॉनि स एवं मोबाइल की, 3 प्रतिशत भोजन सामग्री एवं पूजा वस्तुओं की, 3 प्रतिशत रसोई एवं बर्तन उपकरण की, 8 प्रतिशत गि ट सामान की, 4 प्रतिशत फर्निशिंग एवं फर्निचर सामान की एवं 25 प्रतिशत ऑटोमोबील, हार्डवेयर सामान, खिलौने सहित अन्य अनेकों वस्तुओं एवं सेवाओं की भागीदारी रही है।

भारत में मकानों की बिक्री स बंधी आंकड़ों से भी आभास होता है कि भारत में मिडल एवं अपर मिडल ` लास वर्ग की सं या बढ़ी है। रीयल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों का मानना है कि इस वर्ष 1.5 लाख से अधिक ले जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री का रिकार्ड बन गया है। वर्ष 2023 की दीपावली के ठीक पूर्व के समय में 1.50 लाख घरों की बिक्री प्रदर्शित करती है कि भारत के नागरिकों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022 की दीपावली के पूर्व 1.47 लाख घरों की बिक्री हुई थी और वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 1.14 लाख रहा था। जनवरी 2023 से सित बर 2023 तक की अवधि में भी भारत में 2.30 लाख ले जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री हुई थी, जो पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। रीयल एस्टेट में बूम का मतलब है कि भारत तेज गति से तरक्की कर रहा है। भारत में आम लोगों की जेब तक पैसा पहुंच रहा है।

त्यौहारी सीजन में उछाल सिर्फ रीयल एस्टेट से टर में ही नहीं है, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी लगभग इसी प्रकार का त्यौहारी वातावरण दिखाई दिया है। माह अकटोबर 2023 में भारत में 3.90 लाख चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। जबकि 19 लाख के करीब दोपहिया वाहन भी बिके हैं। नव बर 2023 के त्यौहारी मौसम में 4.25 लाख चार पहिया वाहन एवं 20 लाख दो पहिया वाहन बिकने का अनुमान लगाया गया है। इसी प्रकार, एक अन्य अनुमान के अनुसार धनतेरस 2023 के दिन भारत में 50,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई है। पिछले वर्ष धनतेरस के दिन 45,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई थी। इस प्रकार इस वर्ष सोने के आभूषणों की बिक्री में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत में प्रत्येक क्षेत्र में विकास स्पष्टत÷दिखाई दे रहा है। नागरिकों की जेब में पैसा पहुंचा है तभी तो भारत में उक्त वर्णित समस्त क्षेत्रों में भारी तादाद में बिक्री स भव हो पा रही है।

शादी के मौसम की शुरुआत एवं नवरात्रि त्यौहार के शुरू होने के साथ ही भारत में त्यौहारी मौसम की शुरुआत हो जाती है। दिनांक 8 अकटोबर से ऑनलाइन खुदरा बिक्री के साइट, िलपकार्ट एवं अमेजोन, पर उत्पादों की बिक्री का विशेष त्यौहारी अभियान प्रार भ किया गया था और केवल चार दिन में ही केवल उक्त दो क पनियों की साइट पर 40,000 करोड़ रुपए का व्यापार कर लिया गया है।

भारत के विकास की कहानी की यह तो शुरुआत भर है, आगे आने वाले समय में विकास की इस कहानी को और अधिक गति मिलने की स भावना है` योंकि अभी तक तो केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे पूंजीगत खर्चों का प्रभाव ही इस विकास की कहानी पर दिखाई दे रहा है (केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने का लक्ष्य निर्धारित किया है) जबकि निजी क्षेत्र भी अब अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने जा रहा है` योंकि विभिन्न क पनियां अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग कर रही है, अतः उन्हें विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना निकट भविष्य में करना ही होगी। साथ ही, विदेशी क पनियों के भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना किये जाने के स बंध में सहमति पत्र लगातार प्राप्त हो रहे हैं। इस प्रकार, आगे आने वाले समय में भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होने जा रहे हैं जिससे मिडल` लास की सं या में और अधिक तेज गति से विस्तार होगा और भारत में ही निर्मित उत्पादों की मांग और अधिक तेज होने जा रही है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में 75 नदियों का जल लेकर पहुंचेगा रथ

भोपाल। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का इंतजार पूरा देश बेसब्री से कर रहा है। 22 जनवरी के दिन अयोध्या में होने वाले ayodhya ram mandir inauguration program में दुनियाभर के भक्त शिरकत करेंगे। इस ऐतिहासिक पल में इंदौर भी अपना अमूल्य योगदान देने जा रहा है। अयोध्या में प्रभु राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में 75 नदियों का जल लगेगा। इस जलाभिषेक की जि मेदारी इंदौर ने निभाई है। इंदौर के महेन्द्र कोडवानी द्वारा बनाए गए रथ से देशभर की 75 नदियों का जल एकत्रित किया जाएगा। यह रथ गुरुवार सुबह 26 हजार किमी की यात्रा पर रवाना हो गया है। यह यात्रा आज से शुरू हो गई है और दो महीने चलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के गुरु रामभद्राचार्य दी देखरेख में होगा जलाभिषेक

रथ का जि मा प्रधानमंत्री मोदी के गरु तुलसीपीठाधीश्वर पन्द्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने लिया है। रथ का स्वागत उप्र के मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य साधू-संतों द्वारा किया जाएगा।

पंच धातु के कलश बनाए

रथ में एक बड़ा कलश और छोटे-छोटे 75 पंच धातु के कलश स्थापित हैं। इन कलशों में भारत की पवित्र नदियों का जल एकत्रित किया जाएगा। रथ में भगवान राम, माता सीता एवं हनुमान जी की विशालकाय मूर्तियां भी स्थापित हैं। वानर सेना और भगवान राम के अन्य मंदिर भी बनाए गए हैं। रथ में लगातार सुंदर कांड का पाठ भी रथ में होता रहेगा। संपूर्ण रथ को तस्नत्रष्ट मटेरियल में 10 चक्के के ट्रक पर तैयार किया गया है।

15 दिन में 40 कलाकारों ने बनाया रथ

इस रथ की कल्पना, विचार इंदौर के कलाकार महेन्द्र कोडवानी की है। यह रथ इंदौर में ही महेन्द्र के स्टूडियो पर मात्र 15 दिवस में 40 कलाकारों ने बनाया है।

उत्तर प्रदेश में हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध, खाद्य एवं औषधि निरीक्षकों को निगरानी के निर्देश

लखनऊ. राज्य में हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया गया है. किसी भी उत्पाद पर हलाल प्रमाणन पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी. यह पाबंदी खाद्य उत्पाद के साथ ही दवाओं पर भी लागू होगी. ऐसे उत्पाद के निर्माण, भंडारण, वितरण एवं विक्रय पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा. इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की अपर मु य सचिव अनीता सिंह ने आदेश जारी कर दिया है. सभी खाद्य एवं औषधि निरीक्षकों को निरंतर निगरानी के निर्देश दिए गए हैं.

विदेश में निर्यात होने वाले मांस और उससे निर्मित उत्पादों पर हलाल प्रमाण पत्र जारी होता रहा है. धीरे-धीरे तेल, साबुन, घी सहित सभी उत्पादों पर हलाल प्रमाणन की मुहर लगने लगी. एक तरह से इस प्रमाणन के माध्यम से उत्पाद को बेचने का हथकंडा अपनाया जाने लगा. मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम से स्थिति की जानकारी ली. मु यमंत्री के निर्देश के बाद इसे रोकने की रणनीति बनाई गई. प्रदेश में हलाल प्रमाणन वाले किसी भी खाद्य उत्पादों एवं दवाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा. शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है. यदि कोई उत्पाद हलाल प्रमाणन वाला पाया गया तो संबंधित निर्माता के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.

यदि राज्य में कार्यरत कोई निर्यातक अपने खाद्य उत्पाद अथवा दवा को उन देशों के लिए तैयार करता है, जहां हलाल प्रमाणन युक्त खाद्य उत्पाद ही स्वीकार किए जाते हैं तो उसे छूट दी जाएगी. वह दूसरे देश के लिए तैयार होने वाले उत्पाद का निर्माण, भंडारण एवं वितरण कर सकेगा.

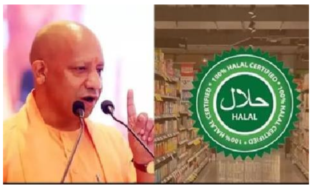

प्रदेश की नियमावली में हलाल प्रमाणीकरण का कोई नियम नहीं है. सिर्फ गुणवत्ता, पैकिंग, लेबलिंग सही होनी चाहिए. नए आदेश के बाद यदि कोई हलाल प्रमाणीकरण युक्त दवाओं, प्रसाधन सामग्री व खाद्य सामग्री तैयार करता है अथवा भंडारण व वितरण करता है तो उसके खिलाफ अधिनियम 1940 व तत्संबंधी नियमावली के अधीन कार्रवाई की जाएगी. इसके तहत तीन साल का कारावास, एक लाख रुपये जुर्माना, और नियम 18ए के तहत कारावास अथवा 25 हजार का जुर्माना हो सकता है.

यदि कोई भी कंपनी उत्तर प्रदेश में हलाल प्रमाण पत्र का प्रदर्शन करते हुए अपने उत्पाद बेचती है तो उसके खिलाफ स त कार्रवाई की जाएगी. इस पर प्रदेश में पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की नियमावली में किसी भी उत्पाद पर हलाल प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है.

अंग्रेजों के अत्याचार से बचाने के लिये जीवन का बलिदान कर देने वाले हैं सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी बिरसा मुँडा

रमेश शर्मा–

भारत राष्ट्र की अस्मिता और साँस्कृतिक रक्षा के लिये भारत की जनजातीयों ने सदैव संघर्ष किया है। यह संघर्ष भारत में सिकन्दर के आक्रमण से लेकर अंग्रेजों के आतंक तक दिखता है। वन में निवास करने वाले असं य नायकों के बलिदान से भारत की धरती लाल हुई है। ऐसे ही महानायक हुये बिरसा मुँडा। उनके जीवन में कुछ ऐसी विलक्षण घटनाएँ घटीं जिससे लोग उन्हे असाधारण कहते हैं और भगवान का दर्जा देते हैं। उनकी पूजा करते हैं और उनके बारे में कितनी ही कहानियाँ हैं जो लोक जीवन में सुनाई जातीं हैं। वे सही मायने में लोकनायक थे।

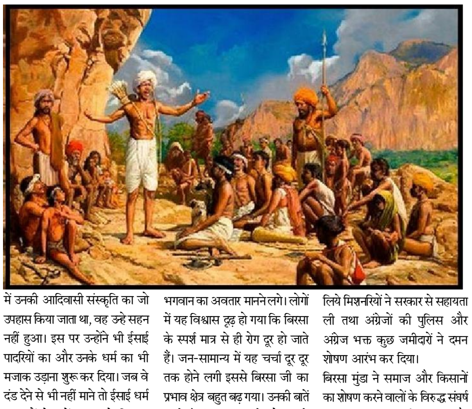

उनका जन्म 15 नव बर 1875 को झारखण्ड के रांची जिले के वनवासी क्षेत्र में हुआ वे जनजाति में मुंडा जनजाति स बन्धित हैं। इस क्षेत्र की वन संपदा पर अधिकार करने के लिये अंग्रेजों ने दो प्रकार से अभियान चलाया। एक तो वन संपदा पर अधिकार करना दूसरा जनजातीयों को ईसाई बना। अंग्रेज मिशनरियों के अभियान के अंतर्गत उनकेश पिता, चाचा, ताऊ सहित पूरे परिवार ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था।

बिरसा मुंडा जी के पिता %सुगना मुंडा% ईसाई धर्म प्रचारकों के सहयोगी भी वन गये थे। बिरसा जी का बचपन अभाव से भरा था। उनका बकरियों को चराते हुए बीता। बाद में उन्होंने कुछ दिन तक %चाईबासा% के मिशन स्कूल में शिक्षा ग्रहण की। परन्तु स्कूलों में उनकी आदिवासी संस्कृति का जो उपहास किया जाता था, वह उन्हे सहन नहीं हुआ। इस पर उन्होंने भी ईसाई पादरियों का और उनके धर्म का भी मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। जब वे दंड देने से भी नहीं माने तो ईसाई धर्म प्रचारकों ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया।

इसके बाद उनके के जीवन में एक नया मोड़ आया। वे सनातन धर्म और वनवासी समाज के सत्य को समझने में जुट गये। तभी उनका संपर्क स्वामी आनन्द पाण्डे से हुआ। जिनसे उन्होंने उन्हें हिन्दू धर्म के रहस्य तथा पौराणिक पात्रों का परिचय मिला । इसमें वे महाभारत के पात्र और भगवान श्रीकृष्ण से बहुत प्रभावित हुये। वे पीडितों की सेवा में लग गये। विशेषकर बीमारों की सेवा में। इसी बीच कुछ ऐसी आलौकिक घटनाएँ घटीं, जिनके कारण लोग उन्हें को असाधारण और भगवान का अवतार मानने लगे। लोगों में यह विश्वास दृढ़ हो गया कि बिरसा के स्पर्श मात्र से ही रोग दूर हो जाते हैं। जन-सामान्य में यह चर्चा दूर दूर तक होने लगी इससे बिरसा जी का प्रभाव क्षेत्र बहुत बढ़ गया। उनकी बातें सुनने के लिए दूर दूर से लोग आने लगे।

वे प्रवचन भी करते और लोगों को कर्मशील बनने की प्रेरणा देते थे । उन्होने समाज को अंधविश्वास और आलस्य से दूर रहकर कर्मशील बनाने का मानों अभियान ही छेड़ दिया था । वे लोगों को हिंसा और मादक पदार्थों से दूर रहने की सलाह देते थे । उनकी बातों का प्रभाव यह पड़ा कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वालों की सं या घटने लगी और जो मुंडा जनजाति के लोग ईसाई बन गये थे, वे फिर से अपने पुराने धर्म में लौटने लगे। इससे ईसाई मिशनरियाँ विचलित हुईं। इसके लिये मिशनरियों ने सरकार से सहायता ली तथा अंग्रेजों की पुलिस और अंग्रेज भक्त कुछ जमीदारों ने दमन शोषण आरंभ कर दिया।

बिरसा मुंडा ने समाज और किसानों का शोषण करने वालों के विरुद्ध संघर्ष का आव्हान किया इसमें जमींदार और पुलिस दोनों से संघर्ष करने का संकल्प दिलाया। यह देखकर ब्रिटिश सरकार ने उनपर कयी प्रकार की पाबंदियाँ ला दी । यहाँ तक कि वे लोगों को एकत्र न करें । यह बात बिरसा जी ने नहीं मानी और कहा कि मैं तो अपनी जाति को अपना धर्म सिखा रहा हूँ। इस पर पुलिस ने उन्हें गिर .तार करने का प्रयत्न किया, लेकिन गांव वालों ने एकत्र होकर उन्हें छुड़ा लिया। इससे पुलिस बड़ी सं या में आया और उनके साथ गाँव के अधिकाँश लोगों को गिर .तार कर लिया। बिरसा जी को दो वर्ष के कैद की सजा दी और हज़ारीबाग़ जेल में भेज दिये गये। बाद में उन्हें इस चेतावनी के साथ छोड़ा गया कि वे कोई प्रचार नहीं करेंगे।

परन्तु बिरसा जी मानने वाले नहीं थे। वे तो एक निहित संदेश लेकर संसार में आये थे । जेल से छूटने के बाद उन्होंने अपने अनुयायियों के दो दल बनाए। एक दल धर्म का प्रचार करने लगा और दूसरा राजनीतिक जाग्रति का कार्य करने लगा। नये नये युवक भर्ती किये गए। इस पर सरकार ने फिर उनकी गिर .तारी का वारंट निकाला, किन्तु बिरसा मुंडा पकड़ में नहीं आये। इस बार का आन्दोलन अंग्रेजों के शोषण से मुक्ति के लियू था।

उनका कहना था कि अंग्रेजों को वनों पर अधिकार करने और नवजीवन में हस्तक्षेप करने की प्रवृत्ति छोड़नी चाहिये । वे वनों से परे यूरोपीय पादरियों के तंत्र को हटाकर वन संस्कृति के मौलिक स्वरूप को स्थापित करना चाहते थे । इसके लिये उनका संघर्ष तेज हुआ। पुलिस उनको पकड़ने के लिये आई । वे नहीं मिले तो उनके कुछ सहयोगियों को पकड़कर थाने ले गई। इससे वनवासियों में गुस्सा बढ़ गया। अपने साथियों को छुड़ाने के लिये बिरसा जी की टोली ने 24 दिस बर, 1899 को तीरों से पुलिस थानों पर आक्रमण करके दिया और अपने साथियों को छुड़ाकर थाने में आग लगा दी।

अंग्रेजी सत्ता ने इस घटना को एक चुनौती ली और सेना भेजकर पूरे क्षेत्र को घेर लिया । जमकर मुठभेड़ हुई, किन्तु तीर कमान से बंदूक की गोलियों का सामना नहीं हो सकता। बड़ी सं या में वनवासी बलिदान हो गए। पर बिरसा जी सेना के भी हाथ न लगे। तब अंग्रेज पुलिस ने दूसरा तरीका अपनाया। डरा धमका और लालच देकर कुछ लोगों को अपना मुखबिर बनाया। यह षड्यंत्र काम कर गया। उनके ही विश्वस्त दो लोगों ने विश्वासघात किया और बिरसा मुंडा गिर .तार कर लिये गये। जेल में उन्हे अनेक प्रकार की प्रताड़ना दी गई। इन प्रताड़ना से 9 जून, 1900 को जेल में उनका बलिदान हो गया। एक आशंका यह भी है कि जेल में उन्हें विष दे दिया गया था। लेकिन वे शरीर से गये हैं लोक जीवन में उनकी स्मृतियाँ आज भी सजीव हैं। वे गीतों और साहित्य में ही नहीं लोगों के दिलों में आज भी जीवित हैं। लोग उन्हे भगवान के स्थान पर मानते हैं।

बिरसा मुण्डा की समाधि राँची में कोकर के निकट डिस्टिलरी पुल के पास स्थित है। वहीं उनका स्टेच्यू भी लगा है। उनकी स्मृति में रांची में बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी है। 10 नवंबर 2021 को भारत सरकार ने उनके जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। अब यह स्मृति दिवस पूरे देश में गौरव पूर्वक मनाया जाता है।

दमोह में पुलिस ने नष्ट किए अवैध पटाखा फै ट्री से जब्त पटाखे

दमोह। दमोह जिले के देहात थाना की जबलपुर नाका चौकी के अथाई गांव में मंगलवार की शाम पुलिस की बीडीएस टीम ने अवैध पटाखा फै ट्री से जब्त किए गए पटाखों का नष्ट किया। इस दौरान धमाका इतनी तेज हुआ कि जबलपुर नाका क्षेत्र धमाके से दहल गया और झटका महसूस हुआ। इससे लोगों ने इसे भूकंप का झटका समझ लिया और सोशल मीडिया पर लिखकर इस बात की पुष्टि करने लगे कि कहीं भूकंप तो नहीं आया।

धमाका होने पर बन गए थे धुएं के बादल

जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर कुछ लोग अपने-अपने क्षेत्र में झटके आने की बात लिखने लगे। तभी सोशल मीडिया पर अथाई गांव में हो रहे एक विस्फोट का वीडियो सामने आया। उसमें कुछ ही देर में इतना जोर का धमाका हुआ कि चारों ओर आग ही आग दिखाई देने लगी और धुएं के बादल बन गए। इसके बाद दमोह सीएसपी अभिषेक तिवारी से इस बारे में जानकारी ली गई।

लोगों ने ली राहत की सांस

अभिषेक तिवारी ने बताया कि बड़े पुल पर जिस अवैध पटाखा फै ट्री में विस्फोट हुआ था। उसी फै ट्री से इन पटाखों को जब्त किया गया था जिनको नष्ट करना बेहद जरूरी था। इसलिए मंगलवार को अथाई गांव में पहाड़ी के नजदीक इन पटाखों का विनष्टीकरण किया गया और लोगों को जब इस बात की जानकारी लग गई कि यह भूकंप का झटका नहीं था तब उन्होंने राहत की सांस ली।

अवैध पटाखा फै ट्री विस्फोट में छह लोगों ने गंवाई थी जान

दरअसल, 31 अे टूबर की दोपहर बड़ा पुल पर संचालित अवैध पटाखा फै ट्री में विस्फोट हुआ था। उसमें फै ट्री संचालक अभय गुप्ता सहित दो महिलाओं की मौत हो गई थी। वहीं, तीन महिलाओं ने जबलपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पटाखों के विनष्टीकरण के विस्फोट से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब लोगों ने भूकंप जैसे झटके महसूस किए तो फै ट्री में कितनी जोर का धमाका हुआ होगा।

रंगोली का होगा सिल्वर जुबली एपिसोड

सिवनी यशोः-मिले सुर मेरा तु हारा फेसबुक ऑनलाइन मंच से प्रसारित होने वाले सदाबहार नगमों के अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम ÷रंगोली÷ के सिल्वर जुबली 25 वें एपीसोड का प्रसारण आगामी 28 नवंबर दिन मंगलवार को रात्रि 8 बजे किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में देश विदेश से जुड़ने वाले हजारों श्रोताओं का कहना है कि यह कार्यक्रम उन्हें अनेक वर्षों पूर्व रेडियो पर आने वाली बिनाका गीतमाला की याद दिलाता है। श्रोताओं का कहना है कि श्रीमती हनी गुप्ता की कर्णप्रिय गायकी, संजय प्रताप सिंह की गायकी के साथ साथ श्रेष्ट मंच संचालन और कार्यक्रम के संयोजक मनोज गुप्ता द्वारा तकनीकी सहयोग और साउंड संचालन इस कार्यक्रम को बहुत ऊंचाइयां प्रदान कर रहा है। ÷रंगोली÷ के सिल्वर जुबली एपिसोड पर पहुचने पर सभी गुरुजनों, संगीत प्रेमियों और मित्रों ने अपनी बधाई प्रेषित करते हुए कहा है कि निःसंदेह यह कार्यक्रम हमारे सिवनी जिले का नाम देश विदेश में रौशन कर रहा है।

7 साल से न्याय के लिए दर-दर भटक रही दलित महिला हुई फर्जी वकील शुभम अग्रवाल से ठगी का शिकार

सिवनी यशोः- कानून का पेशा कानून द्वारा ही बनाया गया है। कोई भी व्यक्ति किसी अदालत में पेशेवर तौर पर वकील का काम तब ही कर सकता है जब उसके पास संबंधित कानून की डिग्री और स्टेट बार एसोसिएशन की सनद हो। यह प्रावधान एडवोकेट ऐ ट 1961 में किये गए हैं

जब हमसे कोई ठगी की कोशिश करता है तो हमलोग अे सर बोलचाल में 420 सं या का प्रयोग करते हैं कि देखो, हमसे चार सौ बीसी करने का प्रयास मत करो, नहीं तो पुलिस कंप्लेन कर देंगे. 420 यानी छल, फ्रॉड, ठगी, धोखाधड़ी. आखिर इन सबके लिए 420 सं या का ही इस्तेमाल ` यों किया गया है? इसके पीछे है, हमारे देश का कानून. आईपीसी यानी भारतीय दंड संहिता की धारा 420.

कान्हीवाड़ा पुलिस के समक्ष पूरा मामला स्पष्ट है किंतु फिर भी लगभग 8 दिनों से फर्जी वकील शुभम अग्रवाल को पुलिस ने बचाने का ही कार्य किया है

आईए जानते हैं पूरा मामला

कीर्ति बालेश्वर ग्राम ईन्दावाड़ी थाना कान्हीवाड़ा जिला सिवनी निवासी ने हरिभूमि टीम को बताया कि वो लगभग 7 सालों से माननीय न्यायालय के शरण में न्याय के लिए भटक रही है आप सभी को विदित हो कि कीर्ति बालेश्वर किसी मामले को लेकर हाईकोर्ट में केस लड़ रही हैं माननीय सिविल न्यायालय से असंतुष्ट होकर कीर्ति को हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी लगभग 1 वर्ष पहले किसी माध्यम से कीर्ति की पहचान शुभम अग्रवाल ग्राम गोपालगंज के समीप खापा थाना लखनवाड़ा से हुई आगे कीर्ति बताती है कि शुभम ने उसे अपनी पहचान हाई कोर्ट का अधिवक्ता बताया था कीर्ति के द्वारा शुभम अग्रवाल को अपने मामले की पैरवी करने को कहा गया तत्पश्चात इस विषय को कीर्ति ने अपने घर वालों के साथ साझा किया एवं शुभम को कीर्ति ने अपने घर बुलवाकर अपने भाई सागर बालेश्वर से मिलाया शुभम ने कीर्ति के परिजनों को भी अपनी पहचान हाई कोर्ट के अधिवक्ता के रूप में बताई थी घरवालों को शुभम के द्वारा संतुष्ट किए जाने के उपरांत शुभम को कीर्ति के द्वारा अपने मामले की फाइल सौंप दी गई

फर्जी वकील शुभम अग्रवाल को फाइल सौंपने के बाद शुरू हुआ पैसे लेनदेन का खेल

कीर्ति ने आगे बताया कि शुभम अग्रवाल के द्वारा आए दिन मामले की पैरवी के नाम से पैसे मांगे जाने लगे शुभम के द्वारा बताया जाता था कि आज आपके मामले में पेशी है कीर्ति कहती थी की ` या मुझे भी आना है पेशी में तो शुभम कहता था कि नहीं आपको नहीं

आना है आप सिर्फ बहस करने के पैसे दीजिए

इस दौरान कीर्ति ने शुभम अग्रवाल को लगभग ?60000 की राशि दे चुकी थी लगभग डेढ़ साल बीत जाने के बाद जब कीर्ति ने अपने मामले की जानकारी शुभम अग्रवाल से ली तो शुभम ने कहा कि इस मामले में अब कुछ नहीं हो सकता जब कानून के जानकारों से कीर्ति एवं उसके परिजनों ने संपर्क किया तो ये जानकारी सामने आई कि कीर्ति बालेश्वर का मामला कोई शुभम अग्रवाल नहीं बल्कि कोई एडवोकेट अभिषेक सोनी लड़ रहे हैं जिसे कीर्ति जानती तक नहीं है यहां पर कीर्ति एवं उसके परिवारों को इस बात का पता चल गया था कि कहीं ना कहीं फर्जी वकील शुभम अग्रवाल ने हमारे साथ ठगी किया है

फाइल वापस कर दूंगा मगर पैसे नहीं शुभम अग्रवाल

जब कीर्ति बालेश्वर के छोटे भाई सागर बालेश्वर के द्वारा शुभम अग्रवाल से फोन पर चर्चा के दौरान फाइल वापस मांगी गई और पैसे तो शुभम अग्रवाल ने कहा कि मैं फाइल वापस कर सकता हूं पैसे सब मामले की पेशी और बहस में खर्च हो गए जब कीर्ति के परिवार को कुछ नहीं सूझा तब उन्होंने कानून का सहारा लिया

शुभम अग्रवाल के ऊपर कार्यवाही करने से बचते नजर आ रही है कान्हीवाड़ा पुलिस

कीर्ति के भाई सागर बालेश्वर के अनुसार 16 नवंबर 2023 को उक्त घटना की शिकायत थाना कान्हीवाड़ा मैं आवेदन के रूप में दी गई थी मगर वर्तमान दिनांक तक उक्त फर्जी वकील के ऊपर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई कान्हीवाड़ा पुलिस के द्वारा नहीं की गई है जो कि कान्हीवाड़ा पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह पैदा करती है

कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी मोहनिस बेस से यदि पीड़िता कीर्ति एवं उसके परिवार को कुछ मिला है तो वो है सिर्फ झूठा आश्वासन एवं झूठी तसल्ली कीर्ति ने अपने साथ घटित घटनाक्रम की शिकायत माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष भी दर्ज करवाई है

इनका कहना है

मामले की जांच के उपरांत फर्जी वकील शुभम अग्रवाल पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जावेगी

एडिशनल एसपी गुरुदत्त शर्मा

यदि शुभम अग्रवाल सत्यापित वकील होता और जिला बारकाउंसलिंग का सदस्य होता तो उस पर हम उचित कार्रवाई करते आप माननीय कानून व्यवस्था के शरण में जाकर फर्जी वकील शुभम अग्रवाल पर कठोर से कठोर कार्रवाई करवा सकते हैं

सिवनी जिला अधिवक्ता *बारकाउंसलिंग अध्यक्ष रवि गोल्हानी

पीड़िता के भाई सागर बालेश्वर के द्वारा 16 नवंबर को मुझे आवेदन प्राप्त हुआ उसमें बताया गया था कि फर्जी वकील शुभम अग्रवाल के द्वारा हमारे साथ ठगी की गई है जिस पर जांच चल रही है उसमें बहुत जल्द कार्रवाई होगी

मोहनीश बेस थाना प्रभारी
*कान्हीवाड़ा

मु य निर्वाचन पदाधिकारी ने भोपाल में मतगणना स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल -मु य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने गुरुवार को भोपाल में मतगणना स्थल पुरानी जेल पहुँचकर विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत आगामी 3 दिसंबर को जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन को कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मतगणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं और तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया।

नवंबर बीत रहा ठंड का पता नहीं, बढ़ रही बीमारियाँ

सिवनी यशोः- नवंबर माह खत्म होने की स्थिति में है लेकिन नवंबर में पडऩे वाली ठंड लापता है। इस लापता ठंड की वजह से बीमारियां बढ़ गई है तो वहीं डेंगू और मलेरिया के मच्छर पनपने का खतरा भी बढ़ गया है।

कहते है दीपावली के बाद दीया भर-भरकर ठंड बढ़ती है, तिल संक्राति के बाद ठंड तिल-तिल करके कम होती है, लेकिन इस बार दीपावली के बाद से ठंड तिल-तिल करके भी नहीं बढ़ी है। वैसे भी पुरूषोत्तम मास की वजह से सारे तीज त्यौहार काफी आगे बढ़े है। कायदे से तो दीपावली में ही ठंड का काफी असर रहना था, लेकिन दीपावली के बाद भी वो ठंड नहीं है जो नवंबर के अंत में पड़ा करती थी। हालांकि इसके पीछे अलनीनो का असर भी बताया जा रहा है, तो वहीं बादल छा जाने का कारण भी बताया जा रहा है।

कारण चाहे जो भी हो हर मौसम से बहुत सी बाते जुड़ी होती है, कहां जाता है यदि गर्मी नहीं पड़ेगी तो बरसात अच्छी नहीं होगी, यदि बरसात अच्छी नहीं होगी तो ठंड कम पड़ेगी। इस बार गर्मी भी बहुत थी, बारिश भी पर्याप्त हुई लेकिन ना जाने ` यों ठंड की सुई कहीं अटक गई है। अच्छी ठंड ना पडऩे के कारण सर्दी-जुकाम, बुखार, हाथ-पैरों में दर्द जैसी बीमारियां फैलने लगी है। जबकि ठंड को सेहत के हिसाब से हेल्दी सीजन माना जाता है। ठंड में लगभग सारी बीमारियां लापता रहती है, पर इस बार ठंड ना पडऩे से सबसे ज्यादा खतरा मलेरिया और डेंगू के मच्छर पनपने का बढ़ गया है। जब बहुत तेज गर्मी पड़ती है या बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है तो मच्छरों के लार्वा अपने आप नष्ट हो जाते है। इससे मच्छरों से होने वाली बीमारियों का खतरा खत्म हो जाता है। इस बार वो खतरा मुहं खोले खड़ा दिख रहा है।

ठंड ना पडऩे की वजह से गर्म कपड़ों का व्यापार भी ठप्प पड़ा हुआ है, इस बारिश अच्छी होने की वजह से अनुमान था कि ठंड जल्दी आयेगी और अच्छी मात्रा में आयेगी। ठंड का असर नवरात्र पर्व में देखने को भी मिला, लेकिन ठंड की ठिठुरन बढ़ नहीं पायी है और हल्की-फुल्की ठंड तक सीमित रह गयी है। अच्छी ठंड की संभावना के कारण व्यापारियों ने गर्म कपड़ों की जमकर खरीदी की थी, अब वो सब हाथ पर हाथ डाले बैठे हुए है। नवंबर सामाप्त हो रहा है, यदि 1 पखवाड़ा ठंड का असर ना दिखा तो व्यापारियों के पास गर्म माल डंप हो जायेगा। ` योकि बचे एक-डेढ़ माह के लिए गर्म कपड़ों की कोई खरीददारी नहीं करना चाहता।

ठंड कम पडऩे का दोष कुदरत पर देना पर भी गलत है ` योंकि प्राकृति के साथ इतना ज्यादा खिलवाड़ा हो रहा है कि मौसम का संतुलन बिगडऩा स्वभाविक हो गया है। यह बिगड़ा मौसम यदि उसी मानव जाति के लिए तकलीफ देय सिद्ध हो जाये जिसकी वजह से मौसम का संतुलन बिगड़ा है तो फिर निसंदेह ये मानव जाति के लिए चिंतन का विषय होना चाहिए।

कई जिलों में छाये बादल , 3 दिन बाद बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है. तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है. प्रदेश के कई शहरों में रात के साथ दिन में भी गुलाबी सर्दी का असर दिख रहा है. प्रदेश में ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं पचमढ़ी, गुना ,इंदौर, ग्वालियर, महाकौशल और विंध्य के क्षेत्र में भी सुबह के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है. मौसम विभाग ने 3 दिन बाद प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है.

3 दिन बाद बारिश के आसार

राजधानी भोपाल की बात करें तो नवंबर शुरू होते ही यहां गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है. इसके अलावा आने वाले 3 दिनों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है. एमपी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक हवाओं का रूख बार-बार बदलने से तापमान में उतार चढ़ाव का दौर जारी है. उन्होंने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से हल्की बारिश होगी. बारिश के बाद प्रदेश में ठंड़ बढ़ जाएगी.

इन जिलों के तापमान में आई गिरावट

प्रदेश के कई जिलों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया. प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान दतिया में 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ. ग्वालियर में 13.8, राजगढ़ में 13.6, खरगोन में 14, भोपाल में 16.1, इंदौर में 18.6 और जबलपुर में 15.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ. अधिकतम तापमान की बात की जाए तो दमोह में 32.8, मंडला में 32, भोपाल में 30.6, ग्वालियर में 28.2, इंदौर में 29.7, और जबलपुर में 30.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है. सोमवार को कई शहरों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना रहा था.

मिधिली तूफान के बाद गिरेगा

मौसम विभाग की माने तो बंगाल की खाड़ी में उठ रहे मिधिली तूफान के कारण अगले 6-7 दिनों तक तापमान में गिरावट ज्यादा नहीं होगी. मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 25 से 27 नवंबर के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है. जिसके बाद ठंड बढ़ेगी.

आदमखोर बाघ से क्षेत्र में दहशत

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के खवासा वन परिक्षेत्र की सांवरीठ जंगल से लगे खेतों में बाघ ने महिला का शिकार कर लिया। इसके बाद से गांव के लोगों में बाघ की दहशत है। गांव के लोग अब जंगल व इससे लगे खेतों में जाने से डर रहे हैं।

दक्षिण सामान्य वन मंडल के अमले का दावा है कि वे बाघ को पकड़ने के लिए सर्चिंग कर रहे हैं। बाघ की लोकेशन का पता लगाने के लिए जंगल व राजस्व क्षेत्र में 26 कैमरे लगाए हैं। 50 और कैमरे लगाए जा रहे हैं। पिंजरे भी लगा दिए गए हैं। बाघ की लोकेशन का पता नहीं चला तो कैमरों की स यां और बढ़ाई जाएगी। अब तक लगाए गए किसी भी कैमरों में बाघ कैद नहीं हुआ है।

दक्षिण सामान्य वन मंडल अधिकारी सुदेश महिवाल ने बताया है कि 8 नवंबर को हुई घटना के बाद की गई जांच में यह सामने आया है कि जंगल से लगे खेत के पास बाघ ने जंगली सुअर का शिकार किया था। बाघ अपने शिकार को खा रहा था। इसी बीच हो सकता है खेत गई महिला बाघ के समीप पहुंच गई हो और बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इस घटना केबाद से उस क्षेत्र में कोई ओर घटना सामने नहीं आई है। बाघ का मूवमेंट भी क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान नजर नहीं आ रहा है। 12 दिन में किसी मवेशी या अन्य पर हमला करने की घटनाएं सामने नहीं आने से अनुमान लगाया जा रहा है कि बाघ क्षेत्र से दूर चला गया है। लकड़ी लेने जंगल जाने से घबरा रहे हैं। शाम होने के बाद अधिकांश ग्रामीण घरों से निकलने से भी डर रहे हैं।

पिछले निर्वाचन की तुलना में इस बार 2.10 प्रतिशत अधिक हुआ मतदान

रतलाम जिले की सैलाना निर्वाचन क्षेत्र पर विधानसभा 2023 में मतदान का 90.10 प्रतिशत पहुंचा आंकड़ा, विधानसभा 2018 में 88.35 प्रतिशत हुआ था मतदान

विधानसभा निर्वाचन 2023 की खास बातें
सिवनी जिले में सबसे अधिक 86.29 प्रतिशत मतदान हुआ।
अलीराजपुर जिले में सबसे कम 61.81 प्रतिशत मतदान हुआ।

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। अब 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मतदान के दिन लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़ चढ़कर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। पोस्टल बैलेट के मतदान प्रतिशत को छोड़ दिया जाए, तो इस वर्ष प्रदेश में 77.15 फीसदी मतदान हुआ, जबकि विधानसभा निर्वाचन 2018 में प्रदेश में 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। यानि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में 2.10 प्रतिशत मतदान की बढ़ोत्तरी हुई।

रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में हुआ सबसे अधिक मतदान

रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में सबसे अधिक मतदान हुआ। इस बार का मतदान प्रतिशत 90.10 है, जबकि वर्ष 2018 के निर्वाचन में 88.35 प्रतिशत मतदान हुआ था।

अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ

प्रदेश में अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की अपेक्षा वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में 2.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 के विधानसभा निर्वाचन में जोबट विधानसभा का मतदान प्रतिशत 52.31 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2023 में यह 54.37 प्रतिशत हो गया है।

प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में सबसे अधिक लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में बढ़ा मतदान प्रतिशत

विधानसभा निर्वाचन-2023 में प्रदेश के सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में यहां मतदान प्रतिशत 77.98 था, जबकि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में यह बढ़कर 84.71 हो गया है। यहां मतदान प्रतिशत में 6.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 34 क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक

वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 34 ऐसे निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिसमें पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत अधिक रहा है। सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-78 में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मत प्रतिशत 11.91 प्रतिशत अधिक है।

न्यायालय तहसीलदार बरघाट, जिला सिवनी

रा.प्र.क्र./2229/अ-6/2023-24

ग्राम - नगझिर प.ह.न.-12, तहसील- बरघाट

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि इस न्यायालय में आवेदक राधेलाल मंतारे पिता दशरू मंतारे जाति मरार निवासी नगझिर तहसील बरघाट जिला सिवनी के द्वारा ग्राम नगझिर प.ह.न. 12 रा.नि.मं. व तहसील बरघाट स्थित भूमि खसरा नं. 366/1, 380/3,386/1 रकबा क्रमशः 0.29, 0.16,0.02 हे. भूमि की सहखातेदार फूलवन पिता दशरू जाति मरार दिनांक 27/05/2014 को फौत होने एवं उक्त मृत सहखातेदार फूलवन के विधिक वारिसान कैलाशवती लाऔलाद फौत व लक्ष्मी अविवाहित ना.बा. फौत होने से फौती के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश करने रा.प्र.क्र./2229/अ-6/2023-24 प्रचलित है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो वे स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्ता के माध्यम से मेरे न्यायालयीन कार्यदिवस में दिनांक 11/12/2023तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत करेगे। उपरोक्त समयावधि उपरांत प्राप्त दावा/आपत्तियां स्वीकार नही की जावेगी।

आज दिनांक 23/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बरघाट जिला-सिवनी
बरघाट दिनांक 23/11/2023

विनोद ने रिश्ते की युवती के साथ किया बलात्कार

सिवनी यशोः-सिवनी। अरी पुलिस ने ज्यादती के मामले में एक आरोपी को गिर तार किया है। पुलिस ने बताया कि बरघाट के साल्हे कोसमी निवासी 27 वर्षीय विनोद उर्फ चिंटू पिता जानकी प्रसाद भातकुरे ने अरी थाना क्षेत्र में रहने वाली रिश्तेदार मानसिक मंद युवती के साथ लगातार ज्यादती करते रहा।

जब युवती गर्भवती हो गई तो परिजनों ने इस मामले की शिकायत महिला थाने में की। मामला अरी थाने पहुंचा जहां पर पुलिस ने जांच पड़ताल और बयानों के आधार पर आरोपी विनोद को पकड़ लिया।

39 फर्जी कंपनियां बनाकर किया 200 करोड़ का घोटाला, ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस

कारोबारियों ने 80 लोगों के नाम पर बनाई थीं 39 फर्जी फर्में।

उज्जैन। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को 200 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में केस दर्ज किया है। नीमच व इंदौर के दो कारोबारियों ने उज्जैन, इंदौर, नीमच व दिल्ली में 39 फर्जी कंपनियां बनाई और तेल व खली के व्यापार के नाम पर 200 करोड़ रुपये का लेनदेन दर्शाकर काले धन को सफेद कर दिया। करीब 10 करोड़ रुपये का टै स चोरी किया गया है। फर्म के साथ ही फर्जी ट्रांसपोर्ट से ही माल का परिवहन बताया गया। एक फर्जी कंपनी के डायरे टर ने दो वर्ष पूर्व ईओडब्ल्यू को शिकायत की थी। इसके बाद जांच में ईओडब्ल्यू ने शिकायतकर्ता की संलिप्तता मिलने पर उसे भी आरोपित बनाया है। मु य आरोपित पर हरियाणा में एनडीपीएस ऐ ट के तहत केस दर्ज है।

निरीक्षक अनिल शु ला ने बताया कि इंदौर की कपिल ट्रेडिंग कंपनी के संचालक दीपक अरोड़ा निवासी इंदौर ने करीब दो वर्ष पर्व ईओडब्ल्यू को शिकायत की थी कि अग्रवाल सोया संचालक गोपाल सिंघल, दीपक सिंघल, नवनीत गर्ग ने फर्जी कंपनियां बनाकर उससे करोड़ों रुपये का बोगस ट्रांजे शन किया है। इससे शासन को करोड़ों रके राजस्व की हानि हुई है। इस पर ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की थी। जांच में पता चला कि सिंघल व गर्ग ने करीब 80 लोगों के नाम पर 39 फर्जी कंपनियां बनाई हैं। इससे वर्ष 2017 से 2022 तक करीब 200 करोड़ का ट्रांजे शन किया।

तेल व खली के कारोबार के नाम पर हुआ खेल

निरीक्षक शु ला ने जांच की तो पता चला कि अग्रवाल सोया संचालक गोपाल सिंघल व उसके पुत्र दीपक दोनों निवासी नीमच, नवनीत गर्ग निवासी इंदौर ने फर्जी कंपनियां बनाई। इन कंपनियों ने खली, तेल के व्यापार के आड़ में घोटाला किया है। पु ता प्रमाण जुटाने के बाद बुधवार को अग्रवाल सोया के साथ ही सभी कंपनियों व संचालकों पर धारा 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत केस दर्ज किया गया।

ऐसे किया फर्जीवाड़ा

नीमच स्थित अग्रवाल सोया ऐ सट्रे ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी धामनिया ने वर्ष 2017 से 2022 के मध्य कुल 39 बोगस फर्म और उनके संचालक के साथ मिलकर नकली रसीद, बिल, बिल्टी तैयार किए और सोयाबीन डीओसी का फर्जी क्रय-विक्रय बताकर गोपाल सिंघल, दीपक सिंघल, नवनीत गर्ग ने अपनी कंपनी अग्रवाल सोया ऐ स्ट्रे ट प्राइवेट लिमिटेड नीमच के संचालक के रूप में फर्जी ट्रांसपोर्ट नारायण फाइट कैरियर आदर्श नगर इंदौर सहित दर्जनों फर्मों के बिल लगाकर फर्जीवाड़ा किया है।

न्यायालय तहसीलदार बरघाट, जिला सिवनी

रा.प्र.क्र./2428/अ-6/2023-24

ग्राम - मूण्डापार प.ह.न.-48

तहसील- बरघाट

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि इस न्यायालय में आवेदक अजय सूर्यवंशी पिता शिवप्रसाद सूर्यवंशी जाति कलार निवासी वार्ड क्रमांक 11 बरघाट तहसील बरघाट जिला सिवनी के द्वारा ग्राम मूण्डापार प.ह.न. 48 रा.नि.मं. व तहसील बरघाट स्थित भूमि खसरा नं. 149/1 रकबा 0.04 हे. भूमि पर पंजीकृत बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश करने रा.प्र.क्र./2428/अ-6/2023-24 प्रचलित है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो वे स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्ता के माध्यम से मेरे न्यायालयीन कार्यदिवस में दिनांक 12/12/2023 तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत करेगे। उपरोक्त समयावधि उपरांत प्राप्त दावा/आपत्तियां स्वीकार नही की जावेगी।

आज दिनांक 20/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बरघाट जिला-सिवनी
बरघाट दिनांक 20/11/2023

कीर्तिक स्नान के 19 वर्ष पूर्ण होने पर अग्रवाल परिवार ने किया गौं दान

मंडला यशोः- कार्तिक माह के शु ल पक्ष की अक्षय नवमी पर गौं दान सैया दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नर्मदा जी वार्ड निवासी श्रीमति हेमलता अग्रवाल पत्नि श्री गोवर्धन प्रसाद अग्रवाल जो कि 19 वर्षो

से कार्तिक स्नान पूजन पाठ कर रही थी जिन्होंने पूर्ण आहूती के साथ गौदान सैया दान किया। धर्मगुरू पं इन्द्रमणी पाठक के सनिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया जहां विधि विधान से पूजन अर्चन करते हुए गौं दान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण को माल्यार्पण करते हुए भजन संध्या की। इस दौरान उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए पं इन्द्रमणी पाठक ने कहा कि पूजन कार्तिक महीने के शु ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला नवमी का पूजन किया जाता है इसे कुष्मांड नवमी और अक्षय नवमी भी कहा जाता है इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा कर घी का दीपक लगाकर वृक्ष की 21 परिक्रमा कर कच्चा सूत लपेटा जाता है इसके बाद आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन किया जाता है और आंवले को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है आंवला नवमी इस बार रवियोग में आई है इसलिए आंवले का पूजन करने से अक्षय धन के भंडार भरने की प्रबल संभावना है। धार्मिक मान्यता है कि आंवला नवमी स्वयं सिद्ध मुहूर्त भी है इस दिन दान, जप व तप सभी अक्षय होकर मिलते हैं अर्थात इनका कभी क्षय नहीं होता है भविष्य, स्कंद, पद्म और विष्णु पुराण के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है पूजा के बाद इस पेड़ की छाया में बैठकर खाना खाया जाता है मान्यता है कि ऐसा करने से हर तरह के पाप और बीमारियां दूर हो जाती है इस दिन किया गया तप, जप, दान इत्यादि व्यक्ति को सभी पापों से मुक्त करता है तथा सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाला होता है। आंवला नवमी के दिन भगवान विष्णु और आंवले के वृक्ष की पूजा का खास महत्व है। इस दौरान परिजन के साथ मित्र एवं महिला मंडल उपस्थित रहा।

मतगणना की डाटा एंट्री संबंधी प्रशिक्षण 25 को

मंडला यशोः - विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के अंतर्गत 3 दिसंबर को आयोजित होने वाली मतगणना के लिए संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में मतगणना संबंधी डाटा एंट्री एवं एनकोर ऐप में एंट्री से संबंधित प्रशिक्षण 25 नवंबर को प्रातः 10¬30 बजे से 12¬30 बजे तक आरडीपीजी कॉलेज मंडला में प्रदान किया जाएगा। संबंधितों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

बी.एस.सी फ़ेल झोलछाप डॉ टर प्रशासन की नाक के नीचे कर रहा इलाज , स्वास्थ्य विभाग सच मे बेखबर या जानबूझकर मूँदे बैठा है आंखे बड़ा सवाल

-तहसील बिछिया मे फैला है झोलछाप डॉ टरो का जाल
- बिछिया सरकारी अस्पताल के बाजू मे ही संचालित हो रही झोलाछाप डॉ टर की दुकान
-संबन्धित अधिकारियों को जानकारी देने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं

मंडला यशोः- मंडला जैसे आदिवासी बाहुल्य ज़िले मे स्वास्थ्य सुविधाये खस्ता हालत मे है जिसका फायदा झोलाछाप और बंगाली डॉ टर उठा रहे है । यह झोलाछाप डॉ टर सिर्फ मरीज के स्वास्थ्य के

साथ खिलवाड़ नहीं कर रहे बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था का मजाक बना रहे हैं। मंडला एक आदिवासी बाहुल्य ज़िला है यहाँ की जनता काफी ज्यादा सीधी और सरल है और शिक्षा का आभाव होने के कारण यहाँ गांव की जनता बहकावे में जल्दी आ जाती है और डॉ टरों की कमी होने के कारण इन झोलाछाप और बंगाली डॉ टर से स इलाज करने के लिए मजबूर हो जाती है। झोलाछाप डॉ टर न सिर्फ इनसे बड़ी रकम वसूलते हैं जबकि इसके अलावा उनकी गंभीर से गंभीर बीमारी का गलत इलाज करके मरीज की स्थिति और गंभीर कर देते हैं। इनके गलत इलाज के कारण कई मरीज अपनी जान से हाथ भी धो बैठते हैं। पैर लगता है प्रशासन को इतनी गंभीर समस्या समस्या नजर ही नहीं आती और प्रशासन अपनी आंखें बंद करें बैठा रहता है।

योग्यता के मामले में बगले झांकते रहे स्वयंभू डा टर

हमारे प्रतिनिधिं द्वारा शिकायत प्राप्त होने पर बिछिया ब्लॉक के सिविल अस्पताल के बाजू में एक डॉ टर के` लीनिक पर जानकारी लेने के लिए विजिट की जाती है । देखने पर यहॆ लीनिक आमॆ लीनिक की तरह ही लग रहा था पर सच्चाई कुछ और थी। जब इस डॉ टर से इसकी डिग्रियां मांगी गई तब इसने बताया कि यह बीएससी सेकंड ईयर तक ही पढ़ा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सिवनी जिले का निवासी है और पिछले लगभग 2 सालों से बिछिया में मरीज़ो का इलाज कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार न सिर्फ यह सर्दी खांसी जैसी बीमारी बल्कि पीलिया टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियों का भी इलाज करता हैं या दूसरे शब्दों में कहा जाये की मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करता हैं। जब इनसे यह पूछा गया कि आप यहां प्रैं टस कर रहे हैं इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग में है या नहीं तब इस सवाल का जवाब भी वह ठीक से नहीं दे पाया है इसका निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि बिना किसी विभागीय जानकारी के वह व्यक्ति खुले आम जिले में अपने आप को डॉ टर बता कर लोगों का इलाज कर रहा है और उनकी जान से खेल रहा है ।

बीएमओ कार्यवाही करने की मंशा नहीं रखते

इस घटना की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी बिछिया बीएमओ को दी गई। बिछिया बीएमओ द्वारा इस विषय में जानकारी न होने का बहाना दिया गया और हमारे प्रतिनिधि को ही कहा गया कि आप आकर हमें वह झोलाछाप डॉ टर की जानकारी दें फिर हम उस पर कार्रवाई कर देंगे। अब यहाँ बड़ा सवाल यह है की सरकारी अस्पताल के बाजू में संबंधित अधिकारी की नाक के नीचे कोई झोलाछाप डॉ टर अपना` लीनिक भी खोल लेता है और उसे पर मरीजों का इलाज भी करता है अगर इस बात की जानकारी बीएमओ और अस्पताल प्रशासन को नहीं है तो यह उनके कार्य प्रणाली पर बहुत बड़ा सवाल है। बरहाल हालात यह है की जानकारी होने के बाद भी वर्तमान समय तक भी बीएमओ द्वारा उसे डॉ टर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई यह स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता का परिचय देता है।

पोस्टल बैलेट से मतगणना संबंधी प्रशिक्षण आज

मंडला - विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के अंतर्गत 3 दिसंबर को आयोजित होने वाली मतगणना के लिए संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में मतगणना हेतु गठित विधानसभावार दल को ईटीपीबी एवं पोस्टल बैलेट से मतगणना संबंधी प्रशिक्षण 24 नवंबर को अपरान्ह 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आरडीपीजी कॉलेज मंडला में प्रदान किया जाएगा। संबंधितों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

मतगणना हेतु प्रशिक्षण आज

मंडला यशोः - विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत मतगणना के संबंध में विधानसभावार मतगणना हेतु नियुक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण 24 नवंबर को प्रातः 10:30 से 12:30 बजे तक रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला में आयोजित किया गया है। संबंधितों को प्रशिक्षण में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

मतगणना को निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने नोडल अधिकारी नियुक्त

मंडला यशोः-- विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत 3 दिसंबर को होनी वाली मतगणना को निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सलोनी सिडाना द्वारा विभिन्न कार्यो के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुये अधिकारियों के मध्य कार्य का विभाजन किया है।

इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार मतगणना दल गठन एवं मतगणना दलों के लिये आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था के लिये श्रेयांश कूमट सीईओ जिला पंचायत एवं संबंधित रिटर्निंग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मतगणना स्थल एवं मतगणना दलों की समस्त तैयारियां के लिये राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, मतगणना सामग्री के लिये राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं हुनेन्द्र घोरमारे संयुक्त कले टर, स पूर्ण मतगणना स्थल पर कानून व्यवस्था के लिये पुलिस अधीक्षक मंडला तथा राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, परिचय पत्र के लिये सीएल वर्मा संयुक्त कले टर एवं संबंधित रिटर्निंग आफीसर, एनकोर एप्लीकेशन के लिये राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अरविंद सिंह संयुक्त कले टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मीडिया रूम, क प्यूनिकेशन एवं उद्घोषणा के लिये अनादि वर्मा सहायक संचालक जनस पर्क, रोहित बड़कुल सहायक संचालक महिला बाल विकास विभाग एवं मुकेश पाण्डेय प्राचार्य हाई स्कूल बिंझिया, पोस्टल बैलेट के लिये राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जेपी यादव संयुक्त कले टर एवं एसडीएम नैनपुर तथा संबंधित रिटर्निंग आफीसर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। स्ट्रांग रूम मैनेजमेंट के लिये राजेन्द्र कुमार सिंह अपर कले टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, हुनेन्द्र घोरमारे संयुक्त कले टर एवं संबंधित रिटर्निंग आफीसर, सीलिंग के लिये हुनेन्द्र घोरमारे संयुक्त कले टर एवं संबंधित रिटर्निंग आफीसर, ईव्हीएम मैनेजमेंट के लिये हुनेन्द्र घोरमारे संयुक्त कले टर, जानकारियों के संकलन एवं प्रेषण के लिये अरविंद सिंह संयुक्त कले टर, मतगणनाकर्मियों हेतु वेलफेयर मैनेजमेंट के लिये श्रेयांस कूमट सीईओ जिला पंचायत, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य के लिये सोनल सिडाम एसडीएम घुघरी, विद्युत व्यवस्था के लिये शरद बिसेन कार्यपालन यंत्री म.प्र.वि.मंडल तथा चिकित्सा व्यवस्था के लिये मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मण्डला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में काउंसिलिंग कार्यक्रम

भोपाल । भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय हो योपैथी आयोग से अनुमति प्राप्त शासकीय शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में एमपी ऑनलाइन के माध्यम से काउंसिलिंग की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिये आयुष विभाग ने कार्यक्रम निर्धारित कर लिया है।

काउंसिलिंग की कार्यवाही 16 नव बर से आरंभ हो चुकी है। अब आयुष महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की स्थिति का प्रदर्शन 24 नव बर को किया जायेगा। इसके बाद इसी दिन मेरिट सूची का प्रकाशन और पात्रताधारी अ यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। काउंसिलिंग कार्यक्रम के अनुसार अ यर्थी महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग) 25 से 27 नव बर तक की जा सकेगी। महाविद्यालयवार मेरिट सूची प्रकाशन (1×10) के आधार पर 28 नव बर को प्रात¬8 बजे होगी। महाविद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने की तिथि 29 नव बर को प्रात¬ 9 बजे से दोपहर 1¬30 बजे तक रहेगी। इसके बाद महाविद्यालय में रिपोर्टेड अ यर्थियों की मेरिट सूची का प्रकाशन 29 नव बर को दोपहर 2 बजे किया जाएगा। महाविद्यालय में अस्थाई प्रवेश 29 नव बर को ही दोपहर 2¬30 बजे से शाम 7 बजे तक लिया जा सकेगा।

आयुक्त आयुष कार्यालय में काउंसिलिंग कार्यक्रम के लिये नियम और निर्देश विस्तृत रूप में विभागीय वेबसाइट www.ayush.mp.gov.in और एमपी ऑनलाइन पोर्टल www.ayush.mponline.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

भोपाल में डॉ टर और नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव, अस्पताल के बाहर प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित ए स हॉस्पिटल में डॉ टर्स और नर्सिंग स्टाफ के बीच में तनाव की स्थिति बन गई है। नर्सिंग ऑफिसर और एक महिला डॉ टर के बीच में हुए विवाद के बाद दोनों पक्ष एक दूसरे के आमने-सामने आ गए हैं। डॉ टर्स ने नर्सिंग ऑफिसर की शिकायत की है। दूसरी तरफ नर्सिंग स्टाफ ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

आधी रात को नर्सिंग स्टाफ की हड़ताल

दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है परंतु एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें नर्सिंग ऑफिसर प्रशांत भाटिया और कुछ डॉ टर्स के बीच में बहस होती हुई दिखाई दे रही है। इस वीडियो में सुनाई दी गई बातचीत के आधार पर पता चलता है कि नर्सिंग ऑफिसर ने एक महिला डॉ टर से कहा था कि, तुम डॉ टर बनने लायक नहीं हो। इसके बाद महिला डॉ टर के समर्थन में कुछ दूसरे डॉ टर्स नर्सिंग ऑफिसर को डांटना लगे। इस दौरान डॉ टरों द्वारा 2 बार अपशब्दों का प्रयोग किया गया। नर्सिंग ऑफिसर द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रियाओं में एक बार कहा गया कि इस अस्पताल में मरीज मरते रहते हैं और डॉ टर खड़े रहते हैं।

ए स निदेशक डॉ. अजय सिंह से दखल देने की अपील

नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि डॉ टर अॆ सर कर्मचारियों से बदमतीमी से बात करते हैं। बुधवार को भी ऑपरेशन के दौरान यही हुआ था। स्टाफ का आरोप यह भी है कि विवाद की जानकारी मिलने के बावजूद उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल अजीत कुमार ने भी नर्सिंग स्टाफ को नोटिस जारी कर दिया। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ का पक्ष लिए बिना ही कार्रवाई कर दी। अब स्टाफ ए स निदेशक डॉ. अजय सिंह से मामले में दखल देने की अपील कर रहे हैं।

इंसाफ नहीं मिला तो स्ट्राइक भी कर सकते हैं

नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि हम स्ट्राइक नहीं कर रहे हैं। सिर्फ न्याय की मांग कर रहे हैं। इस समय ड्यूटी पर करीब 600 से अधिक नर्सिंग स्टाफ हैं। स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित नहीं हो रही हैं। बता दें कि ए स में 1200 से अधिक नर्सिंग स्टाफ है, जिसमें से करीब 400 से अधिक परिसर के बाहर मौजूद हैं। स्टाफ ने बताया कि अगर इंसाफ नहीं मिला, तो स्ट्राइक भी कर सकते हैं।

जांच के लिए कमेटी बना रहे हैं, ए स डायरे टर ने कहा

स्टाफ की मानें, तो इसमें तीन डॉ टर्स जो कि बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग के अलावा यहां के फैकल्टी हैं। डॉ टर दीपक कृष्णा, डॉ टर मनाल एम खान और डॉ टर गौरव चतुर्वेदी ने स्टाफ के साथ बदसलूकी की। ए स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने बताया कि नर्सिंग स्टाफ और डॉ टर्स दोनों तरफ से शिकायतें मिली हैं। एक जांच कमेटी बना रहे हैं। रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

मंडला यशोः- देवउठनी ग्यारस एवं अन्य विवाह मुहुर्तो में होने वाले बाल विवाहों की रोकथाम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला तथा जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जिनमें बाल विवाह से संबंधित जानकारी दूरभाष या शिकायत पत्र के माध्यम से दी जा सकती है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तर पर वन स्टॉफ सेंटर (07642-252699) पर स्थापित कंट्रोल रूम के लिए मधुलिका उपाध्याय प्रभारी प्रशासक को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिनका मोबाईल नंबर 9131670364 है। इसी प्रकार विकासखंड स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम में संबंधित परियोजना अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। मंडला एवं बिछिया में अनूप नामदेव मो.नं. 9977094310, नैनपुर में रेखा सैयाम मो.नं. 8103890508, मवई में ओमकार सिंह मसराम मो.नं. 8959888724, घुघरी एवं मोहगांव में श्याम सिंह ठाकुर मो.नं. 6260610481, निवास एवं बीजाडांडी में मनीषा तिवारी मो.नं. 7415222031 तथा नारायणगंज में संजीव मोहार मो.नं. 9424788160 को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बेस्ट इनलैंड फिशरीज डिस्ट्री ट पुरूस्कार से पुरूस्कृत हुआ जिला

सिवनी यशोः- विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में सिवनी जिले को देश में बेस्ट इनलैंड फिशरीज डिस्ट्री ट से पुरूस्कृत किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी श्री परसोत्तम रूपाला एवं राज्य मंत्री श्री डॉ.एल मुरूगन द्वारा उपसंचालक मत्स्योद्योग सिवनी श्री मरावी को प्रशस्ती पत्र देकर स मानित किया गया है। यह स मान जिले को मत्स्य एवं मत्स्य बीज उत्पादन अग्रणी प्रबंधन के लिए दिया गया है।

सिवनी में 83.74 फीसदी मतदान, 40 साल से यहां नहीं जीती कांग्रेस

सिवनी यशोः-मध्य प्रदेश के सिवनी जिले की सिवनी विधान सभा सीट पर वर्तमान में बीजेपी का कब्जा है। हर बार की तरह इस बार भी यहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।` योंकि यहां बीजेपी और कांग्रेस के साथ ही गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का भी खासा असर है। बीजेपी ने सिवनी विधान सभा सीट पर दिनेश राय मुनमुन को मैदान में उतारा है, तो कांग्रेस ने आनंद पंजवानी को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। आपको बता दें कि सिवनी एक आदिवासी बाहुल्य जिला है और इसकी स्थापना 1956 में की गई थी। 17 नवंबर शुक्रवार को सिवनी विधानसभा सीट पर कुल 83.74 प्रतिशत मतदान हुआ।

मतदाता- 2018 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो, इस विधान सभा सीट पर 19 उ मीदवार चुनावी मैदान में थे। बीजेपी और कांग्रेस के बीच यहां मु य मुकाबला था। बीजेपी के दिनेश राय मुनमुन को 99,576 वोट मिले थे, तो कांग्रेस के मोहन सिंह चंदेल को 77,568 वोट मिले। दिनेश राय ने यह मुकाबला 22,008 मतों के अंतर से जीता था। तब के चुनाव में सिवनी सीट पर कुल वोटर्स की सं या 2,43,421 थी, जिसमें पुरुष वोटर्स की सं या 1,24,828 थी, जबकि महिला वोटर्स की सं या 1,18,588 थी। इनमें कुल 1,99,998 यानी 82.5 फीसदी वोट पड़े।

राजनीतिक इतिहास- सिवनी सीट के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह सीट परंपरागत रूप से बीजेपी के पास रही है। 1990 से लेकर 2008 तक हुए 5 चुनावों में बीजेपी ने लगातार जीत अपने नाम दर्ज की। जबकि 2013 के चुनाव में निर्दलीय दिनेश राय ने जीत का सेहरा पहना था। बाद में वे बीजेपी में शामिल हो गए। 2018 के चुनाव में वे बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीत गए। जबकि पिछले 40 साल में कांग्रेस को यहां से हर बार निराशा ही हाथ लगी।

कान्हा मैराथन का आयोजन होगा पॉलीथिन मुक्त मुक्की गेट होगा स्टार्टिंग पॉइंट

5 किमी. गढ़ी की ओर तथा10 व 21 किमी खापा गेट की ओर बैठक के बाद अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

बालाघाट । कले टर ड़ॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कान्हा मैराथन के माध्यम से कान्हा को प्रमोट करने के उद्देश्य से 26 नव बर को होने वाली कान्हा मैराथन की तैयारियों के स बंध में बैहर के एमपीटी में बैठक ली। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि कान्हा को प्रमोट करने के साथ ही इस राष्ट्रीय आयोजन के माध्यम से पॉलीथिन मुक्त का भी संदेश देना है। इसलिए आयोजन से स बंधित सभी नोडल अधिकारी इस बात का पूरी तरह ध्यान रखें। पूरे आयोजन को पॉलीथिन मुक्त रखना है। साथ ही स्थानीय निकाय अपने स्तर पर पूरी जि मेदारी निभाएं। इसके लिए पृथक से प्लान कर सभी नोडल अधिकारियों के साथ शेयर

करें। कले टर ड़ॉ. मिश्रा ने कहा कि 5 किमी की मैराथन मुक्की गेट से गढ़ी की ओर जाएगी जबकि 10 और 21 किमी की मैराथन खापा की ओर जाएगी। कले टर ड़ॉ. मिश्रा द्वारा विभिन्न समितियों को सौंपे गए दायित्वों का पीपीटी के माध्यम से समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देशित करते हुए प्रतिभागियों के खाना, रूकने ,परिवहन व स्वास्थ्य सहित विभिन्न सुविधाओं के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।पार्किंग और यातायात पर दिया विशेष जोरबैठक के पश्चात ड़ॉ. मिश्रा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर नगर के मार्ग को दुरुस्त करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री को दिए है। साथ ही बालाघाट की ओर आने जाने वाले वाहन किसी तरह बाधित न हो इसके लिए पृथक से अस्थायी मार्ग भी बनाया जाएगा। पीडब्लूडी विभाग को मार्ग के दोनों ओर साइट शोल्डर को भरने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल मंच, चेंजिंग रूम ,पार्किंग सहित मार्ग, प्वाइंट स्थल की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान फील्ड डायरे टर श्री एसके सिंह ने कहा कि अच्छा प्रयास है जिला प्रशासन के द्वारा जिससे कान्हा के बारे मे पर्यटको में सन्देश जायेगा। बैठक के दौरान आईजी श्री संजय कुमार,डिप्टी डायरे टर श्री गोयल, सीईओ जिपं श्री डीएस रणदा व एसडीएम श्री विवेक केवी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati.com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ड्डह्यशद्घ्ठ्ठह्लद्बञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्शद्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297